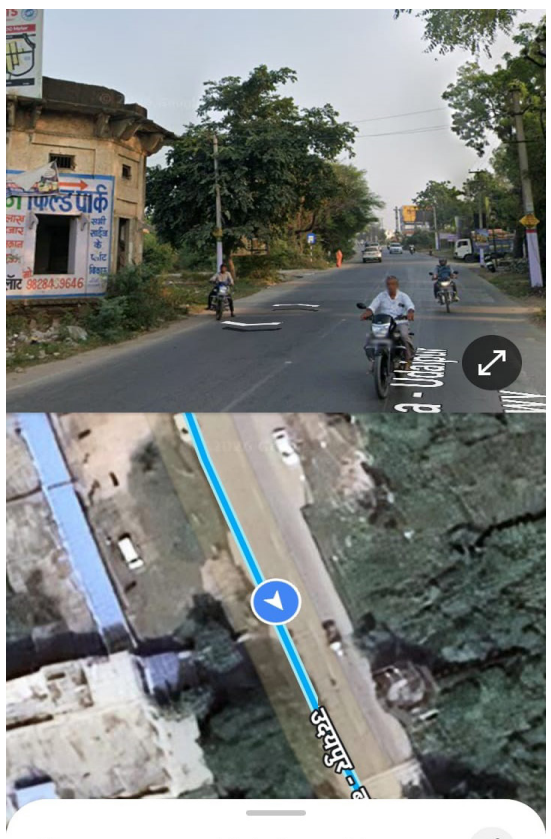
ई-न्यूज
24 न्यूज अपडेट
WebSite.: https://24newsupdate.in
उदयपुर, सोमवार 23 फरवरी 2026
Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com
वर्ष 2 अंक 283

295 साल पुरानी विरासत पर चला दिया बुलडोज़र: तितरड़ी की 'बुर्ज' ढही, इतिहास ने भरी सिसकियां!!

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के समीप ग्राम पंचायत तितरड़ी जो उदयपुर–जयसमंद रोड पर स्थित है। वहां पर 1731 के आसपास निर्मित ऐतिहासिक धरोहर "बुर्ज" को आज बिना अनुमति जेसीबी चला कर तोड़े देने का मामला सामने आया है। यह ऐतिहासिक धरोहर वाला स्थल तितरड़ी चौराहे से जयसमंद की ओर, सविना थाने से लगभग केवल एक किलोमीटर दूर मेन रोड पर स्थित था। इतिहासकारों और स्थानीय लोगों ने इसे विरासत के संरक्षण पर सीधा प्रहार बताया व कहा कि आज इतिहास के 295 साल पुराने पन्ने को मिटा दिया गया। इतिहासकार डॉ. अजात शत्रु सिंह (शिवरती राजपरिवार) ने 24 न्यूज अपडेट को बताया कि तितरड़ी गांव पूर्व में शिवरती ठिकाने का हिस्सा था। इसका उल्लेख प्रथम सेटलमेंट अभिलेखों में भी मिलता है। यहां का गढ़ और यह ऐतिहासिक बुर्ज जलस्रोतों के निकट सुरक्षित स्थान पर बनाए गए थे। उस दौर में जहां पानी होता था वहीं बसावट और सुरक्षा की संरचना होती थी। तितरड़ी उस समय पानी से लबालब था और यहां एक ऐतिहासिक हीरा बावड़ी भी विद्यमान है। बताया गया कि महाराणा के जमाने में जब राहगीर जयसमंद की ओर से उदयपुर में प्रवेश करते थे तब संध्या के समय शहर की पोलें बंद हो जातीं। उस वक्त वे इसी बुर्ज में विश्राम करते थे। समझने के लिए एक तरह से इसे आप "आधुनिक होटल" भी कह सकते हैं। विशिष्ट अतिथि उस समय तितरड़ी गढ़ में ही ठहरते थे। महाराणा जब जयसमंद शिकार पर जाते या लौटते थे तब अपने लवाजमे के साथ तितरड़ी गढ़ में विश्राम





शिवरती के नाम पर रहा। उनके निधन के बाद उनके पुत्र इंदर सिंह और त्रिभुवन सिंह के नाम पर कागजों में दर्ज किया गया। वर्ष 2005 में यह विरासत किसी अन्य को विक्रय कर दी गई। डॉ. अजात शत्रु सिंह ने कहा कि धरोहरों के संरक्षण संबंधी कानूनों के तहत बिना अनुमति किसी भी ऐतिहासिक संरचना से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। "आज बुर्ज को इसलिए तोड़ दिया गया क्योंकि वह रोड पर आ रही थी। प्रशासन को चाहिए था कि संरक्षण की पहल करता और रोड को अन्य जगह से निकाला जा सकता था। यदि आज 295 वर्ष पुरानी इस धरोहर को यूं मिटा दिया गया, तो कल को अन्य धरोहर भी इसी तरह से मिट जाएगी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि विकास और विरासत के बीच संतुलन संभव है, बशर्ते प्रशासन संवेदनशीलता दिखाए। सवाल यही है—क्या ऐसी धरोहरों को संजोया जाएगा या सुविधानुसार तोड़ा जाएगा? तोडने वालों पर अब प्रशासन क्या कार्रवाई करेगा यह देखने वाला होगा। इतिहास गवाह है कि जो समाज अपनी स्मृतियों को नहीं बचाता, वह भविष्य की नींव भी खोखली करता है।

करते, जबकि अन्य जन इस बुर्ज में ही निवास करते थे। इतिहास के पन्नों में दर्ज है कि यह बुर्ज अंत में महाराज हमीर सिंह

IDFC फर्स्ट बैंक का शेयर 16% गिरकर 70 पर आया: 590 करोड़ के फ्रॉड के बाद गिरावट, हरियाणा सरकार के खातों में गड़बड़ी हुई



24 न्यूज अपडेट

IDFC फर्स्ट बैंक के शेयर आज यानी 23 फरवरी को 16% गिरकर 70.09 रुपए पर बंद हुए। बैंक की चंडीगढ़ ब्रांच में 590 करोड़ का फ्रॉड सामने आने के बाद शेयर गिरे हैं। यह फ्रॉड हरियाणा सरकार से जुड़ी संस्थाओं के बैंक खातों में अनधिकृत ट्रांजैक्शन के जरिए किया गया है।

जितने का ये फ्रॉड है, वह बैंक के तीसरी तिमाही के मुनाफे 503 करोड़ से भी ज्यादा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ एक जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में RBI गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, "हम इस घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं, सिस्टम में कोई दिक्कत नहीं है।"

बैंक ने 4 कर्मचारियों को सस्पेंड किया

मामला सामने आते ही IDFC फर्स्ट बैंक ने चंडीगढ़ ब्रांच के 4 अधिकारियों को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इसके अलावा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। पूरे मामले की गहराई से जांच के लिए इंडिपेंडेंट फॉरेंसिक इन्वेस्टिगेटर के रूप में 'KPMG' को नियुक्त किया गया है।

खाता बंद करने की रिक्वेस्ट से सामने आया मामला

बैंक को हरियाणा सरकार के एक खास विभाग से अपना खाता बंद करने और फंड को दूसरे बैंक में ट्रांसफर करने की रिक्वेस्ट मिली थी। इस प्रोसेस के दौरान, खाते में मौजूद बैलेंस और बताई गई रकम के बीच कुछ गड़बड़ी पाई गई।

18 फरवरी, 2026 से हरियाणा सरकार की कुछ और संस्थाओं ने बैंक में अपने खातों को लेकर संपर्क किया। इस दौरान भी बैंक खातों के बैलेंस और हरियाणा सरकार की इन संस्थाओं द्वारा बताए गए बैलेंस के बीच अंतर देखा गया।

शुरुआती इंटरनल रिव्यू के आधार पर पता चला है कि यह मामला सिर्फ हरियाणा सरकार से जुड़े उन खास खातों तक सीमित है, जो चंडीगढ़ की इस ब्रांच से ऑपरेट किए जा रहे थे। चंडीगढ़ ब्रांच के दूसरे ग्राहकों पर इसका कोई असर नहीं है।

481 ट्रेनों की सघन जांच, 9 आरोपी गिरफ्तार: प्रतिबंधित सामग्री पर उत्तर पश्चिम रेलवे की सख्ती



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उत्तर पश्चिम रेलवे द्वारा 19 से 22 फरवरी तक ट्रेनों में अवैध रूप से प्रतिबंधित सामग्री ले जाने वालों के विरुद्ध चार दिवसीय विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान कुल 481 ट्रेनों की गहन जांच की गई, जिसमें 09 व्यक्तियों को प्रतिबंधित सामग्री के साथ पकड़ा गया। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन ने बताया कि अभियान के तहत पटाखे, पेट्रोलियम पदार्थ, गैस सिलेंडर, केरोसिन, सूखी झाड़ियां, नशीले पदार्थ आदि जैसी प्रतिबंधित वस्तुओं की जांच की गई। यह सामग्री रेल यात्रा के दौरान पूरी तरह प्रतिबंधित है क्योंकि इससे यात्रियों की सुरक्षा को गंभीर खतरा हो सकता है। चार दिवसीय अभियान में वाणिज्य, रेलवे सुरक्षा बल, यांत्रिक, कैरिज एवं वैगन तथा कार्मिक विभाग के कर्मचारियों ने विभिन्न स्टेशनों पर व्यापक स्तर पर जांच की। यात्रियों के साथ-साथ रेल कर्मचारियों एवं ठेका कर्मचारियों की भी चेकिंग की गई। पकड़े गए 09 व्यक्तियों के विरुद्ध रेलवे सुरक्षा बल अथवा राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा मामला दर्ज किया गया है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि रेलवे अधिनियम के तहत रेल यात्रा के दौरान प्रतिबंधित या विस्फोटक सामग्री ले जाना दंडनीय अपराध है। दोषी पाए जाने पर 1,000 रुपये तक जुर्माना, तीन वर्ष तक का कारावास या दोनों का प्रावधान है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत रेलवे सुरक्षा बल, टीटीई अथवा रेलवे हेल्पलाइन 139 और 'रेल मदद' ऐप के माध्यम से दें। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी अवांछनीय गतिविधि पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

दिल्ली-NCR में कोयले आधारित कारखानों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: इन्हें शिफ्ट करने और 300KM के दायरे में नए प्लांट खोलने पर केंद्र से जवाब मांगा



24 न्यूज अपडेट

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-NCR में बढ़ते प्रदूषण पर सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार से पूछा कि क्या कोयले से चलने वाले उद्योगों को NCR से बाहर शिफ्ट किया जा सकता है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने दिल्ली से 300 किलोमीटर के अंदर नए कोयला आधारित पावर प्लांट खोलने पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर सरकार से जवाब भी मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निर्माण और तोड़-फोड़ (डिमोलिशन) के काम से उड़ने वाली धूल को कैसे रोका जाए, इस पर भी सभी पक्ष अपनी राय दें। इसके लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) ने कुछ उपाय सुझाए हैं। बेंच ने सभी पक्षों को 12 मार्च से पहले अपनी-अपनी रिपोर्ट और प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट में जमा करने के निर्देश दिए गए हैं। कोर्ट ने कहा कि CAQM के सुझावों के आधार पर 12 मार्च को गाड़ियों से होने वाले एयर पॉल्यूशन के मुद्दे की जांच करेगा। अदिति पहले प्रयास में IAS अदिति वासने ने 2023 में पहले प्रयास में 57वीं रैंक हासिल की। उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के जीसस एंड मैरी कॉलेज से बीए (ऑनर्स) किया और वर्तमान में गुजरात के जामनगर में प्रांत अधिकारी हैं।

HAL का दावा- तेजस एयरक्राफ्ट क्रैश नहीं हुआ: मामूली खराबी थी; पहले खबर थी कि फाइटर जेट का ब्रेक फेल हुआ, रनवे से आगे निकला



24 न्यूज अपडेट

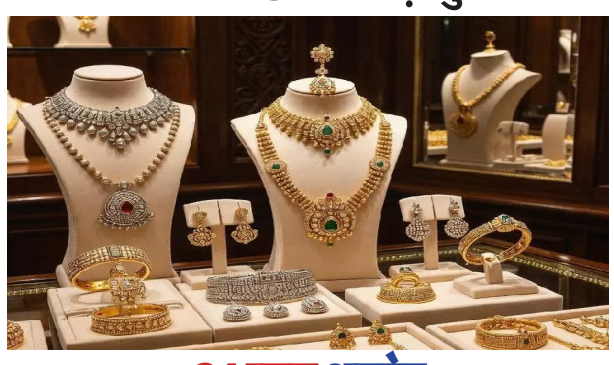
हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने सोमवार को इंडियन एयर फोर्स (IAF) के फाइटर जेट तेजस के क्रैश की खबरों को गलत बताया है। HAL ने कहा है कि ग्राउंड पर एयरक्राफ्ट में मामूली तकनीकी गड़बड़ी हुई थी। हवा में ऐसा कोई हादसा नहीं हुआ है।

HAL ने बताया कि वह एयरफोर्स के साथ मिलकर तकनीकी गड़बड़ी की जांच कर रही है और उसे जल्द ठीक करेगी। कंपनी ने यह भी दावा किया कि तेजस का सेफ्टी रिकॉर्ड दुनिया के आधुनिक फाइटर जेट्स में सबसे बेहतर में से एक है।

न्यूज एजेंसी PTI ने रविवार देर रात सूत्रों के हवाले से दावा किया था कि 7 फरवरी को लैंडिंग के दौरान तेजस का ब्रेक फेल हो गया था। इसके कारण एयरक्राफ्ट रनवे से आगे निकल गया। हादसे से पहले पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया लेकिन विमान को नुकसान पहुंचा है।

PTI के मुताबिक, तेजस ट्रेनिंग उड़ान के बाद एयरबेस पर लौट रहा था। हालांकि, हादसा किस एयरबेस पर हुआ, PTI ने इसकी जानकारी नहीं दी। तेजस को HAL ने डेवलप किया है। यह सिंगल इंजन वाला हल्का लड़ाकू विमान है।

सोना 3 हजार महंगा, 1.58 लाख पर पहुंचा: चांदी 14 हजार महंगी होकर 2.64 लाख किलो हुई, इस साल 33 हजार बढ़ चुकी

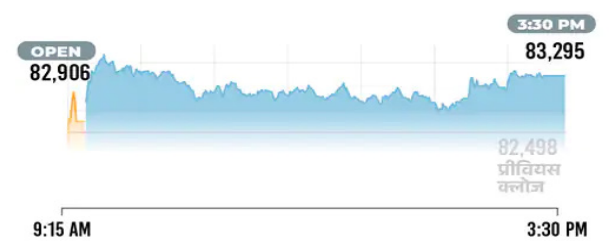


24 न्यूज अपडेट

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 23 फरवरी को तेजी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 3,154 रुपए बढ़कर 1,58,220 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले यह 1,55,066 रुपए पर था।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 13,761 रुपए बढ़कर 2,64,075 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,50,314 रुपए किलो थी। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने-चांदी कीमतें और बढ़ सकती हैं।

सेंसेक्स 480 अंक चढ़कर 83,295 पर बंद: निफ्टी में 142 अंकों की तेजी रही, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में खरीदारी



24 न्यूज अपडेट

सेंसेक्स में आज यानी सोमवार 23 फरवरी को तेजी रही। ये 480 अंक (0.58%) चढ़कर 83,295 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 142 अंक (0.55%) की तेजी रही। ये 25,713 के स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में ऑटो और बैंकों के शेयरों में खरीदारी रही।

हाइकोर्ट बोला- फिजिकल रिलेशन के बाद शादी से मना करना अपराध: कुंडली ना मिलने का बहाना देकर इनकार नहीं कर सकते, BNS के तहत चार्ज लगाएं

24 न्यूज अपडेट

दिल्ली हाइकोर्ट ने कहा कि फिजिकल रिलेशन के बाद शादी मना करना एक अपराध है। कोर्ट ने ये बात एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर सुनवाई को दौरान कही।

कोर्ट ने कहा कि कुंडली मेल न खाने की वजह से शादी से मना करने पर भारतीय न्याय संहिता(BNS) का सेक्शन 69 लग सकता है, जो धोखे से सेक्सुअल इंटरकोर्स को अपराध मानता है।

जज ने कहा कि आरोपी ने प्रॉसिक्यूटर को बार-बार भरोसा दिलाया था कि उनकी शादी में कोई रुकावट नहीं है, जिसमें कुंडली मैच करना भी शामिल है। आरोपी ने इस आधार पर बेल मांगी कि रिश्ता आपसी सहमति से था, और दोनों एक-दूसरे को आठ साल से जानते थे।

वकील ने कहा- रेप का मामला नहीं बनता

आवेदक के वकील ने कहा था कि शादी का झूठा बहाना बनाकर रेप



करने का मामला नहीं बनता और उसे रेगुलर बेल मिलनी चाहिए। 17 फरवरी को दिए गए अपने ऑर्डर में, कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूटर ने पहली कंप्लेंट नवंबर 2025 में दर्ज कराई थी।

कोर्ट ने कहा कि आरोपी और उसके परिवार द्वारा कथित तौर पर शादी का भरोसा दिए जाने पर ही वापस ले ली गई थी, और बाद में कुंडली न मिलने के आधार पर शादी करने से मना कर दिया गया था। मौजूदा FIR जनवरी 2026 में IPC के सेक्शन 376 (रेप) और BNS के सेक्शन 69 के तहत अपराधों के लिए दर्ज की गई थी।

कोर्ट ने कहा कि घटनाओं के क्रम से पता चलता है कि यह सिर्फ रिश्ते खराब होने का मामला नहीं था, बल्कि आवेदक को कुंडली मिलाने पर उसके परिवार के जोर देने के बारे में पता होने के बावजूद बार-बार शादी का भरोसा दिया गया था।

कोर्ट ने कहा कि सिर्फ इसलिए क्रिमिनल लॉ नहीं लगाया जा सकता क्योंकि कोई रिश्ता टूट जाता है या शादी नहीं हो पाती। हालांकि, इस स्टेज पर मौजूदा केस एक अलग लेवल पर है।

संपादकीय : न्याय का विवेक

इसमें कोई दोराय नहीं कि किसी भी तरह के अन्याय के बाद न्याय के लिए न्यायपालिका ही उम्मीद का ठौर होती है । अदालतों में बैठे न्यायाधीश यह सुनिश्चित करते हैं कि पीड़ित पक्ष के साथ इंसाफ हो। मगर कई बार ऐसे मामले भी चर्चा और चिंता का कारण बने हैं, जिनमें महिलाओं के खिलाफ अपराधों से जुड़े मुकदमों में किसी जज की टिप्पणी या उनके फैसले को न्याय की अवधारणा पर पूर्वाग्रह हावी होने के तौर पर देखा गया। इस क्रम में कानूनी प्रावधानों की व्याख्या करते हुए जो कहा गया, उसमें संवेदनशीलता का अभाव नजर आया। शायद यही वजह है कि पिछले हफ्ते सुप्रीम कोर्ट को जजों के दृष्टिकोण में जरूरी संवेदनशीलता विकसित करने के लिए अलग से प्रयास करने पर जोर देना पड़ा। शीर्ष अदालत की पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि न्यायपालिका के सदस्यों के दृष्टिकोण के साथ ही अदालती प्रक्रियाओं में अंतर्निहित संवेदनशीलता और विवेक विकसित करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। हालांकि समय-समय पर शीर्ष अदालत की ओर से न्यायाधीशों के दृष्टिकोण पर रूढ़िवादी सोच हावी होने से उपजे सवालों से निपटने के लिए कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2023 में एक पुस्तिका भी इस उद्देश्य से तैयार की गई थी कि न्यायाधीश पितृसत्तात्मक भाषा को पहचान कर उससे बच सकें। मगर इस सबका कोई ठोस असर सामने नहीं आ सका है। इसी के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने अब राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी को यौन हिंसा और अन्य अपराधों के संदर्भ में न्यायाधीशों तथा न्यायिक प्रक्रिया के भीतर संवेदनशीलता एवं करुणा विकसित करने के उद्देश्य से दिशा-निर्देश तैयार करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने को कहा है। जाहिर है, शीर्ष अदालत का निर्देश यह सुनिश्चित करने के मकसद से है कि जब महिलाओं के विरुद्ध अपराधों और खासतौर पर बौन हिंसा के मामलों में पूरी संवेदनशीलता के साथ सुनवाई करें, उनके फैसलों पर सामाजिक भेदभाव या पूर्वाग्रहों पर बनी धारणाओं की छाया नहीं दिखे निश्चित रूप से सुप्रीम कोर्ट की इस पहल में एक ऐसी समस्या की पहचान कर उसे रेखांकित किया गया है, जिसकी आमतौर पर अनदेखी की जाती है, लेकिन कई फैसलों पर उसका असर देखा जाता है। दरअसल, महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा से जुड़े मामलों में कई बार सामाजिक धारणाओं पर पितृसत्तात्मक सोच से संचालित मानसिकता हावी होती है। जबकि अदालतों में न्यायाधीशों से यह उम्मीद की जाती है कि वे इस तरह के पूर्वाग्रहों से मुक्त होकर कानून की व्याख्या करते हुए समाज में प्रचलित आम मानसिकता, उसके आधार पर बनने वाली धारणाएं और उसमें महिलाओं की वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखेंगे। साथ ही वे मामले में फैसला देते हुए निरपेक्ष रह कर जरूरी संवेदनशीलता और करुणा का सहारा लेंगे। विडंबना यह है कि देश में निचली अदालतों में महिलाओं के खिलाफ होने वाले जघन्य अपराधों और बलात्कार के मामलों मैं भी कुछ जन सामाजिक हकीकतों की अनदेखी करते हुए कानून के प्रावधानों की व्याख्या इस तरह करते हैं कि उससे आरोप हल्के हो जाते हैं और पीड़ित महिला के न्याय पाने की राह ज्यादा मुश्किल हो जाती है। इसलिए जरूरत है कि न्यायाधीशों के दृष्टिकोण में संवेदना और करुणा विकसित करने के लिए लैंगिक संवेदनशीलता पर केंद्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के साथ-साथ न्यायपालिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने पर जोर दिया जाए।

बुनियादी चिंता

देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि दर पिछले माह जनवरी में गिरकर चार फीसद पर आ गई, जो समूची अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। इन क्षेत्रों का देश के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और सकल घरेलू उत्पाद में महत्त्वपूर्ण योगदान है, इसलिए इनकी उत्पादन गति धीमी होने से देश की आर्थिक वृद्धि प्रभावित होती हैं। इन क्षेत्रों से जुड़े उद्योगों को देश की अर्थव्यवस्था का स्तंभ माना जाता है, जो बुनियादी ढांचे के विकास, रोजगार सृजन और समग्र औद्योगिक वृद्धि को गति देते हैं। पिछले दिनों सरकार की ओर से जारी आंकड़ों ने यह स्पष्ट कर दिया था इस वर्ष की शुरुआत थोक और खुदरा महंगाई में बढ़ोतरी के साथ हुई है। अब बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर में गिरावट यह दर्शाती है कि देश की अर्थव्यवस्था को कई मोर्चों पर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि वस्तुओं के उत्पादन में कमी से मांग और आपूर्ति के बीच पैदा होने वाले अंतर की वजह से महंगाई के और बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। गौरतलब है कि देश के आठ प्रमुख बुनियादी क्षेत्र- कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में लगभग चालीस फीसद की हिस्सेदारी रखते हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों की वृद्धि दर में गिरावट का समग्र अर्थव्यवस्था पर क्या असर पड़ सकता है, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। सरकार की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी 2025 में बुनियादी क्षेत्रों की वृद्धि दर 5.1 फीसद और दिसंबर में 4.7 फीसद थी। मगर, इस साल जनवरी में कच्चा तेल एवं प्राकृतिक गैस तथा कोयला एवं सीमेंट क्षेत्र के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन में थोड़ी वृद्धि ने स्थिति को और कमजोर होने से रोका है। यह विचित्र बात है कि एक ओर निर्यात के जरिए अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के दावे किए जाते हैं, तो दूसरी तरफ बुनियादी क्षेत्रों में उत्पादन की गति धीमी पड़ती जा रही है। सरकार को चाहिए कि इन क्षेत्रों में चुनौतियों से निपटने के लिए कारगर कदम उठाए जाएं।

साइट दिखाने के बहाने ठेकेदार का अपहरण, 10 लाख की फिरौती मांगी, पैसा भेजते समय भेजा खतरे का संदेश, पुलिस ने बचाई जान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के सवीना थाना इलाके में ठेकेदार का साइट विजिट के बहाने अपहरण कर लिया गया और फिरौती वसूली गई। यही नहीं, जंगल में ले जाकर मारपीट के बाद उसे जान से मारने का भी प्रयास हुआ। ठेकेदार की सूझबूझ से समय रहते पुलिस पहुंच गई और जान बच गई। बताया गया कि 39 वर्षीय ठेकेदार मांगीलाल कलाल उर्फ मगन कलाल को सरकारी अध्यापक के मकान की साइट दिखाने और एग्रीमेंट करवाने के बहाने बुलाया। रास्ते में मारपीट कर अगवा किया गया और जंगल में बंधक बनाकर 10 लाख रूपए की फिरौती मांगी गई। जान बचाने के लिए दबाव में आकर ठेकेदार से 40 हजार ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए और 5.90 लाख का हिसाब बनाकर जबरन हस्ताक्षर करवा लिए।

फोन कॉल से शुरू हुई साजिश

एफआईआर के अनुसार 21 फरवरी सुबह 6:50 बजे परिचित बहादुर चारपोटा का ठेकेदार के पास फोन आया कि जयसमंद क्षेत्र में साइट दिखानी है। पार्टी छुट्टी लेकर आपका इंतजार कर रही है। बहादुर से ठेकेदार की 10 साल पुरानी पहचान होने व व्यावसायिक ताल्लुकात होने पर ठेकेदार ने हामी भर दी। वह अपनी कार से पहले गुप्तेश्वरजी पर चल रही अपनी साइट गया और फिर करीब 8:30 बजे जयसमंद के लिए रवाना हुआ। रास्ते में बहादुर का एक व्यक्ति साथ हो लिया। जयसमंद पाल के पास दो बाइक सवार मिले, जिन्होंने साइट दिखाने के नाम पर करीब दो किमी अंदर सुनसान रास्ते पर ले जाकर गाड़ी रुकवाई। वहां पहले से 4-5 लोग मौजूद थे। शक जताने पर ठेकेदार ने पूछताछ की तो उससे मारपीट कर दी, गला दबाया गया, कपड़े फाड़े गए और हाथ-पैर बांधकर दूसरी गाड़ी में डाल दिया गया। गले पर धारदार हथियार रखकर जान से मारने की धमकी दी गई।

नाकाबंदी में पुलिस ने पूछा तो बताया पागल

रास्ते में सलूंबर के पास नाकाबंदी पर पूछताछ के दौरान अपहरण करने वालों ने पीड़ित को पागल बताकर वाहन को पार करवा लिया। इस बीच पीडित का मोबाइल छीन लिया गया। आरोप है कि उसे आगे डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा उपखंड के सरोदा थाना क्षेत्र में बुचिया बारा गांव के एक सुनसान मकान में बंधक बनाकर रखा गया। वहां 10 लाख की मांग की गई। रकम न होने पर 5.90 लाख का कथित बकाया हिसाब कोरे कागज पर बनाकर स्टाम्प पर लिखवाने का दबाव डाला गया।

सुझबूझ से भेजा संदेश, बच गई जान

पैसा भेजने की बात कहने पर पीड़ित ने अपना मोबाइल मांगा व कहा कि पैसे के लिए परिचित से संपर्क करना होगा। इसके बाद मौका मिलते ही पीड़ित ने पैसा भेजने का संदेश देने के दौरान ही अपने परिजनों—भाई जितेंद्र, मौसेरे भाई अधिवक्ता जगदीश कलाल और परिचित रोनक बंसल—को लोकेशन और खतरे का संदेश भेज दिया। लिखा कि उसकी जान खतरे में है। पैसा भेज दें व उसकी जान बचा लें। पहले एक खाते में 2 लाख डालने की कोशिश असफल रही। बाद में दूसरे खाते अर्थात दीपक महीडा के फोन-पे नंबर पर 40 हजार रूपए ट्रांसफर किए गए। इस बीच परेशान हुए परिजनों ने पुलिस के इमरजेंसी नंबर 112 पर सूचना दी। सरोदा थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए दोपहर करीब 2 बजे से 2:30 बजे मौके पर पहुंच ठेकेदार को मुक्त कराया। आरोपियों को हिरासत में लिया गया। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धाराएँ 140(3) (लूट/डकैती से संबंधित गंभीर अपराध), 127(2) (अवैध बंधन), 115(2) (चोट) और 3(5) (साझा आपराधिक आशय) के तहत सवीना थाने में प्रकरण दर्ज हुआ है। अनुसंधान की जिम्मेदारी उपनिरीक्षक स्तर के अधिकारी को सौंपी गई ठेकेहै। पुलिस अब कॉल डिटेल रिकॉर्ड, व्हाट्सऐप चैट, ऑनलाइन ट्रांजेक्शन और नाकाबंदी बिंदु के रिकॉर्ड खंगाल रही है।

72वीं राष्ट्रीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में उदयपुर के पीयूष चौबीसा का चयन

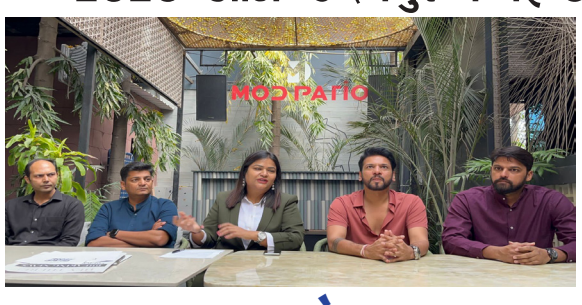


24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। गुजरात के बड़ौदा शहर में 24 से 27 फरवरी तक आयोजित होने वाली 72वीं राष्ट्रीय सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में भाग लेने वाली राजस्थान टीम में उदयपुर के उभरते खिलाड़ी पीयूष चौबीसा का चयन किया गया है। यह जानकारी देते हुए जिला कबड्डी संघ, उदयपुर के सचिव मुकेश जैन ने बताया कि राजस्थान सीनियर कबड्डी प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पीयूष चौबीसा को राजस्थान सीनियर टीम में स्थान दिया गया है। पीयूष के चयन पर जिला कबड्डी संघ, उदयपुर के संरक्षक प्रमोद सामर, अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह खनूजा, आयोजन सचिव जालमचंद जैन, उदयपुर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष विनोद साहू, कबड्डी कोच कपिल जैन, श्याम सुंदर शर्मा सहित अनेक खेल प्रेमियों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। पीयूष चौबीसा आज राजस्थान टीम के साथ बड़ौदा के लिए रवाना हो गए हैं।



इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स का 'एक्यम-2026' आजः उदयपुर में नई टीम संभालेगी कमान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर का डिजाइन परिदृश्य मंगलवार को एक अहम मोड़ लेने जा रहा है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीरियर डिजाइनर्स (IIID) के उदयपुर सेंटर द्वारा वर्ष 2025-27 की नई कार्यकारिणी का औपचारिक पदग्रहण समारोह 'एक्यम-2026' बेदला क्षेत्र के समीप स्थित Ivo में आयोजित होगा। दोपहर में समीक्षा बैठक और शाम 6:30 बजे शपथ ग्रहण के साथ कार्यक्रम अपने औपचारिक चरण में प्रवेश करेगा। उदयपुर सेंटर की चेयरपर्सन शिखा पुरोहित ने बताया कि इस बार समारोह को व्यापक स्वरूप दिया गया है, ताकि डिजाइन समुदाय के बीच संवाद और सहयोग की नई शुरुआत हो सके। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी—राष्ट्रीय अध्यक्ष जिग्नेश मोदी, आगामी अध्यक्ष शामिनी शंकर जैन, सचिव अंशुमान शर्मा, उपाध्यक्ष प्रशांत रेड्डी और वीए मेहुल कामदार—उदयपुर पहुंचेंगे।

120 सदस्य, 15 सदस्यीय टीम

सेंटर के सचिव अमित गौरव के अनुसार, वर्ष 1972 में स्थापित IIID देश का अग्रणी इंटीरियर डिजाइन संगठन है, जो विभिन्न सिटी सेंटरों के माध्यम से डिजाइन उत्कृष्टता और पेशेवर विकास को बढ़ावा देता रहा है। उदयपुर सेंटर में वर्तमान में लगभग 120 पंजीकृत सदस्य हैं। नई कार्यकारिणी में चेयरपर्सन शिखा पुरोहित, सेक्रेटरी अमित गौरव और ट्रेज़रर अब्बास किकाली सहित करीब 15 सदस्यीय टीम औपचारिक रूप से जिम्मेदारी संभालेगी।

देशभर से आएंगे 30 प्रतिनिधि

ट्रेज़रर अब्बास किकाली ने बताया कि जयपुर, बड़ौदा और अहमदाबाद सहित देश के विभिन्न शहरों से लगभग 30 वरिष्ठ एवं कार्यकारी सदस्य समारोह में भाग लेंगे। इससे उदयपुर सेंटर की राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय उपस्थिति और सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में ArchIvo और House of Things का सहयोग रहेगा। आयोजन IIID के उपनियमों के अनुरूप सीमित आमंत्रण के साथ होगा, ताकि शपथ प्रक्रिया गरिमापूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हो।

'एक्यम' का उद्देश्य

'एक्यम-2026' केवल पदग्रहण नहीं, बल्कि डिजाइन समुदाय में एकता, पेशेवर नैतिकता और सामूहिक प्रगति का संकल्प है। युवा डिजाइनरों को मंच देना, असंगठित क्षेत्र के कारीगरों को अवसर उपलब्ध कराना और ज्ञान के आदान-प्रदान को मजबूत करना—इन लक्ष्यों पर विशेष बल रहेगा।

आईसीएआई उदयपुर (आईसीआरसी) द्वारा दो दिवसीय खेल महोत्सव का सफल आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। सेक्टर 14 स्थित आईसीएआई भवन भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट्स संस्थान उदयपुर (सीआईआरसी) के तत्वावधान में सीए सदस्यों का दो दिवसीय खेल महोत्सव का समापन आयोजन हुआ। शाखा अध्यक्ष सीए राहुल माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के मध्य खेल भावना, आपसी सौहार्द एवं नेटवर्किंग को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर क्रिकेट एवं वॉलीबॉल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। अध्यक्ष सीए राहुल माहेश्वरी ने बताया कि पहले दिन बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। बॉक्स क्रिकेट टूर्नामेंट में लगभग 60 चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में आरजे स्कॉलर्स टीम विजेता रही। व्यक्तिगत श्रेणी में बेस्ट प्लेयर - सीए यमन जोशी, बेस्ट फीमेल प्लेयर - सीए अंकिता जैन, बेस्ट प्लेयर 45 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में सीए अंशुल मोगरा रहे। दूसरे दिन वॉलीबॉल टूर्नामेंट प्रतियोगिता में सीजीएसटी, एसजीएसटी, आयकर विभाग उदयपुर की टीमों सहित आईसीएआई भीलवाड़ा एवं आईसीएआई उदयपुर की टीमों ने सहभागिता की। इस अवसर पर वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों एवं उदयपुर-भीलवाड़ा के चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के मध्य सौहार्दपूर्ण संवाद एवं समन्वय देखने को मिला।

पहली अस्मिता राज्य रोल बॉल लीग में उदयपुर टीम कि बालिकाओं ने कांस्य पदक जीता, प्रतिभाओ को मिला मंच



24 न्यूज अपडेट

अजमेर के आदर्श विद्या निकेतन स्कूल में रविवार को पहली अस्मिता राज्य रोल बॉल लीग का आयोजन किया गया। इस लीग का उद्देश्य बालिकाओं की खेल प्रतिभा को मंच प्रदान करना था। रोल बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के संयुक्त देखरेख में आयोजित इस प्रतियोगिता में राज्य के 20 जिलों से बालिकाओं ने भाग लिया।

उदयपुर टीम के कोच घनश्याम सिंह राजपुरोहित ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल में जीत और हार दोनों ही अनुभव हैं, लेकिन अभ्यास और निरंतरता ही वास्तविक जीत है। इस दौरान बी एस आर के संरक्षक भूपेंद्र सिंह राठौड़ ने भी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में उदयपुर टीम वंशिका जैन, रिया आसवानी, मिताक्षी भाटी, एरिका यादव, राघवी साहु, वेनिशा शांडिल्य बालिकाओं को सम्मानित किया गया। परिणाम इस प्रकार रहेः प्रथम एस एम ए क्लब द्वितीय गार्गी क्लब तृतीय बी एस आर उदयपुर टीम।

जयपुर में प्री-प्लान तरीके से ज्वेलर को लूटा था,2 गिरफ्तार:नाबालिग से करवाई थी रेकी, फिर 27 लाख के गहने लेकर भागे थे; 2 लुटेरे फरार





24 न्यूज अपडेट

जयपुर में ज्वेलर से हुई लूट के मामले में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए गए हैं। एक नाबालिग को भी डिटेन किया गया है। वहीं वारदात में शामिल दो लुटेरे फरार है।

आरोपियों ने प्रताप नगर थाना इलाके में 14 फरवरी की रात करीब 8 बजे ज्वेलर रामनिवास सोनी से लूट की वारदात की थी। ज्वेलर अपनी दुकान बंद कर घर लौट रहे थे।

अजय पार्क सामुदायिक केंद्र के सामने बदमाशों ने उनकी कार को रोककर शीशे तोड़े, उनके साथ मारपीट की थी। डिग्गी में रखे गहनों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए थे।

आरोपियों के कब्जे से जेवरात जब्त

थानाधिकारी पूरण मल यादव के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। दुकान से घटना स्थल तक का पूरा रूट ट्रेस किया गया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर वाटिका रोड से एक नाबालिग को डिटेन किया।

वहीं मुखबिर तंत्र की सहायता से कौशल श्रीमाल (24) और समीर खान (20) को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 300 ग्राम चांदी, 8 ग्राम सोने के आभूषण बरामद कर जब्त किए गए है।

ज्वेलर की रेकी करवाकर वारदात की

पुलिस जांच में सामने आया कि मुख्य साजिशकर्ता हंसराज बैरवा उर्फ हंसू उर्फ टैम्पू और राज सीकरवार आदतन अपराधी हैं। पूर्व में भी लूट के मामलों में चालानशुदा रह चुके हैं।

इन्होंने पहले ज्वेलर की रेकी के लिए बाल अपचारी का इस्तेमाल किया। इसके बाद कौशल और समीर को साथ लेकर कार से व्यापारी का पीछा किया।

सुनसान जगह पर ज्वेलर की गाड़ी रूकवाकर लूट की वारदात की। फरार आरोपियों की तलाश जारी वारदात में शामिल हंसराज बैरवा और राज सीकरवार फिलहाल फरार है।

कार्रवाई में थाना प्रताप नगर एवं तकनीकी शाखा के कुल 10 पुलिसकर्मियों की टीम शामिल रही। टीम में एसएचओ पूरणमल यादव, एसआई होशियार सिंह, हेड कॉन्स्टेबल दशरथ और कॉन्स्टेबल गणेश, शंकर सहित अन्य पुलिस के जवान शामिल रहे।

स्वर्ण प्राशन महाभियान, पंचकर्म शिविर और योग सत्रों से स्वास्थ्य जागरूकता का नया कीर्तिमान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय, सिंधी बाजार द्वारा संचालित जनसेवा आधारित स्वास्थ्य गतिविधियों ने उदयपुर जिले में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। स्वर्ण प्राशन महाभियान, निःशुल्क पंचकर्म चिकित्सा शिविरों और वर्ष 2007 से निरंतर संचालित योग सत्रों के माध्यम से लाखों नागरिकों को लाभ पहुंचाया गया है। वर्ष 2014 में प्रारंभ हुए स्वर्ण प्राशन महाभियान के अंतर्गत अब तक 4 लाख 25 हजार से अधिक बच्चों को निःशुल्क स्वर्ण प्राशन संस्कार प्रदान किया जा चुका है। बाल स्वास्थ्य, रोग प्रतिरोधक क्षमता और मानसिक विकास को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से यह अभियान प्रदेश के प्रभावी आयुर्वेदिक स्वास्थ्य अभियानों में शामिल हो चुका है। अभियान का संचालन आयुर्वेद विद्यावारिधि रसवैद्य एवं वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. शोभालाल औदीच्य द्वारा जनसहयोग से किया जा रहा है। प्रत्येक रविवार को नियमित आयोजन के साथ-साथ पुष्य नक्षत्र जैसे विशेष अवसरों पर अभिभावकों की उपस्थिति कई गुना बढ़ जाती है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आयोजित शिविरों से हजारों परिवार लाभान्वित हो रहे हैं। बच्चों का उत्साह, अभिभावकों का विश्वास अभियान की विशेषता यह है कि छोटे बच्चे स्वयं उत्साहपूर्वक दवा पीने के लिए आते हैं। आयोजकों के अनुसार यह सकारात्मक अनुभव और जागरूकता का प्रमाण है। अभिभावकों का कहना है कि स्वर्ण प्राशन के बाद बच्चों में सामान्य बीमारियों की आवृत्ति में कमी, एकाग्रता और स्मरण शक्ति में वृद्धि तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में सुधार देखा गया है। इसी विश्वास के चलते बड़ी संख्या में परिवार नियमित रूप से इस सेवा से जुड़ रहे हैं। 45 से अधिक निःशुल्क पंचकर्म शिविर पिछले पाँच वर्षों में औषधालय द्वारा 45 से अधिक निःशुल्क पंचकर्म चिकित्सा शिविर आयोजित किए गए हैं। इन शिविरों में वात, पित्त और कफ संबंधी अनेक रोगों का उपचार आयुर्वेद की पारंपरिक पंचकर्म पद्धति से किया गया। बढ़ती भागीदारी आयुर्वेदिक उपचार पद्धति के प्रति जनविश्वास को दर्शाती है। औषधालय परिसर में वर्ष 2007 से प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 8:30 बजे तक निःशुल्क योग सत्र संचालित हो रहे हैं। इन सत्रों में प्राणायाम, ध्यान, सूर्य नमस्कार और विभिन्न योगासन सिखाए जाते हैं। वर्षों से चल रही इन कक्षाओं ने हजारों नागरिकों को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाया है। डॉ. शोभालाल औदीच्य ने बताया कि आने वाले समय में अभियान को और व्यापक बनाया जाएगा। अधिक विद्यालयों और ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच, सेवा शिविरों की संख्या में वृद्धि और आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य जागरूकता का विस्तार प्राथमिक लक्ष्य हैं। उद्देश्य है कि जिले का कोई भी बच्चा स्वर्ण प्राशन संस्कार से वंचित न रहे तथा अधिक से अधिक नागरिक योग और पंचकर्म सेवाओं का लाभ ले सकें।

राजस्थान में आज रात से नहीं चलेंगी 35 हजार बसें:15 लाख यात्री होंगे प्रभावित, ऑपरेटर्स की धमकी- मोदी की रैली के लिए भी नहीं देंगे



24 न्यूज अपडेट

राजस्थान में आज रात 12 बजे से करीब 35 हजार प्राइवेट बसें नहीं चलेंगी। ऑपरेटर्स का कहना है कि RTO कार्रवाई के तहत रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट (RC) सस्पेंड कर रहा है।

लाखों रुपए के चालान किए जा रहे हैं। इसके विरोध में रविवार को जयपुर में आयोजित बैठक में हड़ताल का फैसला किया गया है। दूसरे स्टेट के ऑपरेटर्स ने भी उन्हें समर्थन दिया है।

दावा है कि हड़ताल से 15 लाख से ज्यादा यात्री प्रभावित हो सकते हैं। ऑपरेटर्स ने धमकी दी है कि अजमेर में प्रस्तावित प्रधानमंत्री की सभा के लिए भी बसें नहीं दी जाएंगी।

सभी एसोसिएशन के साथ होने का दावा

राजस्थान कॉन्ट्रैक्ट कैरिज बस ऑपरेटर एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा ने बताया- हड़ताल में स्टेट कैरिज, कॉन्ट्रैक्ट कैरिज और लोक परिवहन की करीब 35 हजार बसें शामिल होंगी।

उन्होंने बताया कि अजमेर में 28 फरवरी को प्रस्तावित प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के लिए भी बसें उपलब्ध नहीं कराई जाएंगी। राजेंद्र शर्मा के अनुसार, टैक्सी ऑपरेटर्स ने भी समर्थन दिया है और वे भी हड़ताल में शामिल रहेंगे।

उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों से राजस्थान आने वाली बसें भी राज्य की सीमा में जहां पहुंचेंगी, वहीं खड़ी कर दी जाएंगी।

महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, दिल्ली और हरियाणा के बस ऑपरेटर्स ने भी समर्थन जताया है। उन्होंने राजस्थान के लिए संचालन बंद रखने की बात कही है।

आरटीओ की कार्रवाई पर नाराजगी

राजेंद्र शर्मा ने बताया कि प्राइवेट बस ऑपरेटर्स को लगातार परेशान किया जा रहा है। बसों और टैक्सियों में लगेज केरियर लगाने पर रोक लगा दी गई है और इस पर भी जुर्माना वसूला जा रहा है। ऑपरेटर्स का कहना है कि ग्रामीण इलाकों में चलने वाली बसों में यात्री अक्सर अपना सामान छत पर रखते हैं। लगेज केरियर हटने से यात्रियों को परेशानी हो रही है। इसी तरह टैक्सियों में भी छत पर सामान रखने की व्यवस्था रहती है। टूरिस्ट और लंबी दूरी के यात्रियों के लिए यह व्यवस्था जरूरी बताई गई है। ऑपरेटर्स का कहना है कि अगर सरकार और परिवहन विभाग के साथ बातचीत में समाधान नहीं निकला तो आंदोलन आगे भी जारी रह सकता है।

पुरानी बसों में धारा 153 में चालान करना सही नहीं

बस ऑपरेटर्स का कहना है कि मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 153 में भारी-भरकम चालान बनाए जा रहे हैं। यह धारा साल 2025 में जोड़ी गई है। ऐसे में जो पुरानी बस हैं, उन्हें इस धारा के मुताबिक चालान करना उचित नहीं है।

बसों के मामले में यह धारा तब लगाई जाती है, जब वाहन की बॉडी में बिना अनुमति बदलाव किया गया हो। ओवरलोडिंग या सेफ्टी नियमों का उल्लंघन हो। फिटनेस सर्टिफिकेट की शर्तों का पालन नहीं हो रहा हो। डिजाइन या स्ट्रक्चर (जैसे ऊंचाई, लंबाई, ओवरहैंग आदि) तय मानकों के मुताबिक न हो ।

जर्जर स्टेट हाईवे-09 पर तत्काल कार्रवाई की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। भारतीय जनता पार्टी देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. चन्द्रगुप्त सिंह चौहान ने राजस्थान स्टेट हाईवे-09 (मावली–फतहनगर–कपासन–भोपाल सागर मार्ग) की जर्जर एवं जानलेवा स्थिति को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन में डॉ. चौहान ने बताया कि वर्तमान में यह मार्ग अत्यंत खस्ताहाल है तथा दुर्घटनाओं की दृष्टि से बेहद जोखिमपूर्ण बन चुका है। विशेषकर रात्रिकाल में अपर्याप्त दृश्यता एवं गड्ढों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होना आम बात हो गई है। उन्होंने इसे जनसुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि उक्त मार्ग पर दो स्थानों पर नियमित रूप से टोल वसूली की जा रही है, जबकि सड़क की स्थिति गुणवत्ता मानकों के अनुरूप नहीं है। ज्ञापन में उच्च स्तरीय तकनीकी एवं प्रशासनिक जांच कराने, संपूर्ण मार्ग का गुणवत्तापूर्ण एवं शीघ्र पुनर्निर्माण करवाने, टोल वसूली की वैधता एवं गुणवत्ता मानकों की समीक्षा कर जवाबदेही तय करने की मांग की गई है। इसके अतिरिक्त, पूर्व में स्वीकृत सड़क निर्माण कार्य के दौरान प्रस्तावित वृक्षारोपण योजना की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक किए जाने की भी मांग उठाई गई है। डॉ. चौहान ने कहा कि जनहित से जुड़े इस महत्वपूर्ण मार्ग पर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई तो आमजन के साथ आंदोलनात्मक कदम उठाने पर विचार किया जाएगा।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में एनएसएस का सात दिवसीय शिविर प्रारंभ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के विधि महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की इकाई-I एवं इकाई-II के संयुक्त तत्वावधान में सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ 23 फरवरी से हुआ। यह शिविर 1 मार्च तक संचालित किया जाएगा, जिसके तहत स्वयंसेवक विभिन्न सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों में भाग लेंगे। शिविर के पहले दिन विद्यार्थियों ने परिसर को ही सेवा का पहला मैदान बनाया। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया। कक्षाओं, प्रांगण और सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर उन्होंने स्वच्छ वातावरण का संदेश दिया तथा अन्य विद्यार्थियों और कर्मचारियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. स्नेहा सिंह एवं डॉ. कल्पेश निकावत ने बताया कि शिविर के दौरान सामाजिक उत्तरदायित्व, पर्यावरण संरक्षण, कानूनी जागरूकता और व्यक्तित्व विकास से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। शिविर के शुभारंभ अवसर पर विधि महाविद्यालय के अधिष्ठाता प्रोफेसर आनंद पालीवाल ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य, अनुशासन और समाज के प्रति दायित्वों की जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे केवल सात दिन ही नहीं, बल्कि जीवनभर सेवा की भावना को अपनाएं। वहीं विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. राजश्री चौधरी ने शिविर के प्रथम दिवस का निरीक्षण कर स्वयंसेवकों का उत्साहवर्धन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। सात दिवसीय इस शिविर के माध्यम से विधि महाविद्यालय के विद्यार्थी समाज सेवा के साथ-साथ नेतृत्व, टीमवर्क और सामाजिक संवेदनशीलता के गुणों को भी विकसित करेंगे।

खाटूश्यामजी मेले में 'सेल्फी प्रतियोगिता' का अनूठा आयोजन, एसपी प्रवीण नायक नूनावत ने श्रद्धालुओं से की सहभागिता की अपील



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 23 फरवरी। विश्व प्रसिद्ध तीर्थ स्थल खाटू श्याम मंदिर में आयोजित हो रहे भव्य फागुन मेले के दौरान इस बार एक अनूठी पहल की गई है। राजस्थान पुलिस और सीकर पुलिस द्वारा 'श्री खाटूश्यामजी मेला सेल्फी प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया है, जिसमें श्रद्धालु पुलिस की उत्कृष्ट व्यवस्थाओं और सहयोग के साथ अन्य सुंदर पलों को कैमरे में कैद कर साझा कर सकेंगे।

सीकर पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार मेले में पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, महिला सहायता, चिकित्सा समन्वय एवं श्रद्धालुओं के नियंत्रण के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसी श्रद्धालु को मेले में पुलिस की बेहतर व्यवस्था, ड्यूटी पर तैनात किसी पुलिसकर्मी द्वारा किसी भी श्रद्धालु को की गई मदद या पुलिस—प्रशासन के इंतजामों से मिली राहत—सुविधा से संबंधित कोई भी क्षण दिखाई दे, तो वह उस पल की सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर साझा कर सकता है।

100 बेस्ट सेल्फी को मिलेगा पुरस्कार :

एसपी नूनावत ने बताया कि प्रतिभागियों को अपनी सेल्फी के साथ @POLICERAJASTHAN को टैग करते हुए #SAFEWITHPOLICE और #KHATUMEL-APOLICE हैशटैग लगाना होगा। प्राप्त प्रविष्टियों में से चुनी गई 100 श्रेष्ठ सेल्फी को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। विजेताओं को खाटू श्याम बाबा की आकर्षक तस्वीर, प्रसाद तथा राजस्थान पुलिस की ओर से प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। जिले से बाहर के विजेताओं को डाक से पुरस्कार व प्रशंसा पत्र भेजे जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य श्रद्धालुओं और पुलिस के बीच विश्वास, सहयोग और सकारात्मक संवाद को प्रोत्साहित करना है। पुलिस केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं की सेवा और सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध है। यह प्रतियोगिता उसी साझेदारी का प्रतीक है। खाटूश्यामजी मेले में इस नवाचार से जहां श्रद्धालुओं को सहभागिता का अवसर मिलेगा, वहीं पुलिस और आमजन के बीच विश्वास की डोर और मजबूत होगी।

उन्होंने मेले से संबंधित प्रमाणिक जानकारी के लिए श्रद्धालुओं से आधिकारिक पुलिस पेज को फॉलो करने की अपील भी की है और कहा है कि किसी भी प्रकार की सहायता के लिए पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9667600788 एवं पुलिस आपातकालीन सेवा 112 पर संपर्क किया जा सकता है।

चुनाव के वीआईपी मेन्यू पर भड़के कर्मचारी, बोले- यह अन्याय, असंवैधानिक!! उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए

24 न्यूज अपडेट की खबर का जोरदार असर, अब क्या करेगा प्रशासन

24 न्यूज अपडेट

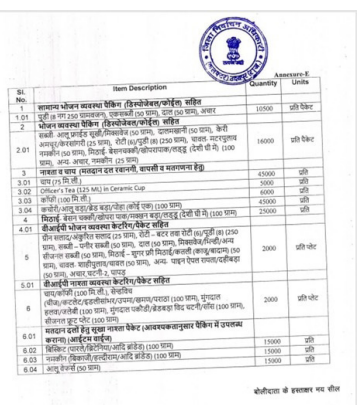
24 न्यूज अपडेट, उदयपुर। निर्वाचन कार्य के लिए हेतु भोजन व्यवस्था में "VIP"एवं "Non-VIP" श्रेणीकरण कर असंवैधानिक,भेदभावपूर्ण एवं मनमाना प्रबंध किए जाने संबंधी खबर 24 न्यूज अपडेट में प्रकाशित होने के बाद से विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। दो साल के लिए निकाले गए 60 लाख के टेण्डर में चुनावी भोजन में प्रशासन की ओर से किए गए इस भेदभाव का अब शिक्षक संगठनों सहित अन्य संगठनों ने भारी विरोध शुरू कर दिया है। आज इस बारे में संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। बताया गया कि निर्वाचन कार्य हेतु भोजन व्यवस्था में "VIP"एवं "Non-VIP"श्रेणीकरण कर असंवैधानिक,भेदभावपूर्ण एवं मनमाना प्रबंध किए जा रहे हैं। संभागीय आयुक्त को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, मुख्य चुनाव आयुक्त राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान, मुख्य सचिव राजस्थान सरकार, जयपुर के नाम का ज्ञापन सौंपा। राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष व अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शेरसिंह चौहान ने बताया कि राजस्थान सरकार के राज्य कर्मचारी/अधिकारी निर्वाचन कार्य मे भागीदारी निभाते हैं। इसमें समानता के साथ उत्कृष्टता का सेवा का भाव सर्वोच्च होता है और लोकतांत्रिक गरिमा के अनुकूल समानता का अधिकार रखता है।

इस भावना के विपरीत आगामी चुनावों के मद्देनज़र जिला कलेक्टर, उदयपुर द्वारा ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर NIB / 189 17 फरवरी को जारी भोजन व्यवस्था निविदा/सूची (Annexure-E) का अवलोकन करने पर यह तथ्य प्रकाश में आया कि उसमें "VIP भोजन", "Officer's Tea"आदि शीर्षकों के अंतर्गत पृथक एवं विशेष श्रेणी की भोजन व्यवस्था निर्धारित की गई है,जबकि अन्य कार्मिकों/मतदान दलों हेतु पृथक एवं निम्न स्तर की व्यवस्था दर्शाई गई है।

भोजन में भेदभाव नहीं करेंगे बर्दाश्त

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार पालीवाल ने बताया कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 14 राज्य को समानता का दायित्व देता है तथा मनमाने वर्गीकरण को निषिद्ध करता है। निर्वाचन कार्य में नियुक्त सभी कार्मिक राज्य के अधीन लोक सेवक की श्रेणी में कार्यरत होते हैं। अतः भोजन जैसी मूलभूत सुविधा में वर्ग आधारित अंतर करना समानता सिद्धांत के प्रतिकूल है। राज्य की कोई भी प्रशासनिक कार्यवाही तर्कसंगत गैर-भेदभावपूर्ण एवं सार्वजनिक उद्देश्य से संबंधित होना आवश्यक है अन्यथा वह न्यायिक परीक्षण में अवैध ठहराई जा सकती है। VIP शब्द कोई वैधानिक या संवैधानिक पदनाम नहीं है तथा यह किसी विधि सेवा नियम या संविधान में लोक सेवकों की आधिकारिक श्रेणी के रूप में परिभाषित नहीं है। लोक सेवक समान संवैधानिक दायित्वों के अधीन कार्य करते हैं अतः प्रशासनिक दस्तावेजों में "VIP"शब्द का प्रयोग कर विशेषाधिकारयुक्त वर्ग बनाना विधि सिद्धांतों के प्रतिकूल है। सार्वजनिक प्रशासन में पद आधारित प्रोटोकॉल संभव है किन्तु "VIP"" जैसी अनौपचारिक एवं गैर-संवैधानिक शब्दावली का प्रयोग कर भेदभावपूर्ण सुविधाएँ देना अनुचित एवं आपत्तिजनक है।





नाश्ते से लेकर भोजन तक में भेदभाव

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला महामंत्री लच्छीराम गुर्जर ने बताया कि सूची में "VIPभोजन" श्रेणी हेतु उच्च स्तरीय व्यंजन (पनीर,शाही पुलाव,ड्राईफ्रूट मिठाई,रायता,सलाद आदि) निर्धारित हैं,जबकि सामान्य कार्मिकों हेतु सीमित भोजन दर्शाया गया है। सामान्य चाय 75 मि.ली. जबकि "Officer's Tea"125 मि.ली. पृथक रूप से प्रदर्शित है। VIP नाश्ता सूची में फल प्लेट,विशेष मिठाइयाँ,सैंडविच आदि सम्मिलित हैं जबकि अन्य कार्मिकों के लिए साधारण विकल्प निर्धारित हैं। यह विभाजन किसी स्पष्ट नियम,अधिसूचना या सक्षम प्राधिकारी की विधिक स्वीकृति पर आधारित प्रदर्शित नहीं होता बल्कि एक तथा कथित VIPसंस्कृति की भावना ओर राजकीय धन का अपव्यय की मानसिकता ओर भ्रष्टाचार का उदाहरण हे जबकी सरकार ध्येय हर स्तर पर सादगी ओर पारदर्शिता पूर्वक राजकीय धन का व्यय किया जाना है। यह कृत्य सरकार के सामान्य आचरण व्यवहार के विपरीत है।

विधिक रूप से अनुचित

अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के जिला महामंत्री लच्छीराम गुर्जर ने बताया कि सार्वजनिक धन का उपयोग समानता, पारदर्शिता एवं सार्वजनिक हित के सिद्धांतों के अनुरूप होना आवश्यक है। किसी विशेष वर्ग को अतिरिक्त आतिथ्य सुविधा देना,जब वह विधिक रूप से अधिकृत न हो,वित्तीय अनुशासन एवं प्रशासनिक निष्पक्षता के सिद्धांतों के विरुद्ध है। निर्वाचन प्रक्रिया लोकतांत्रिक तटस्थता पर आधारित होती है। निर्वाचन ड्यूटी में लगे कार्मिकों के बीच "VIP" एवं "Non-VIP"का वर्गीकरण प्रशासनिक मनोबल प्रभावित करता है पक्षपात की धारणा उत्पन्न करता है निर्वाचन की निष्पक्षता की सार्वजनिक छवि को आघात पहुँचाता है।

उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए

अतः प्रार्थना है कि उक्त प्रकरण की स्वतंत्र एवं उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। .संबंधित अधिकारियों का उत्तरदायित्व निर्धारित कर आवश्यक वैधानिक/अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए। भविष्य में निर्वाचन कार्यों हेतु भोजन/आतिथ्य व्यवस्था में समानता सुनिश्चित करने के स्पष्ट दिशानिर्देश जारी किए जाएँ। जांच प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति प्रार्थी को उपलब्ध कराई जाए।

ये रहे मौजूद

उक्त ज्ञापन में राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष व अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष शेर सिंह चौहान, सयुंक्त महासंघ के जिलाध्यक्ष हेमंत कुमार पालीवाल, जिला महामंत्री लच्छीराम गुर्जर, आईटी प्रभारी जसवंत सिंह चौहान, राजस्थान पंचायती राज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ प्रदेश कोषाध्यक्ष सतीश जैन प्रदेश प्रचार मंत्री सुरेश खंडारिया जिला अध्यक्ष चंद्रशेखर परमार जिला महामंत्री कमलेश शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष गिरवा प्रेम राज बैरवा ब्लॉक अध्यक्ष बड़गांव प्रेम सिंह भाटी ब्लॉक शहर महामंत्री चेतराम मीणा मनोज मोची सुनील मखीजा रईस खान प्रदीप भानावत सुरेश गरासिया गजेंद्र शर्मा नानकराम बैरवा देवेंद्र सिंह महावीर गढ़वाल आकाश पाल अशोक मीणा राजस्थान पर्यटन विकास विभाग के जिलाध्यक्ष कमलेश वर्मा, राजस्थान शिक्षक संघ प्रगतिशील से विनोद शर्मा, हीरालाल गमेती, महिला संगठन मंत्री कमलेश चौधरी, महिला संयुक्त मंत्री कैलाश कुंवर, संगठन महामंत्री मदनलाल सिंगाडिया, राजस्थान हाउसिंग बोर्ड से मुकेश शर्मा, पशुपालन संघ से खेमराज मीणा, मंसाराम अहारी, राजस्थान हैंडपंप मिस्त्री संघ से नन्दलाल लबाना, हीरालाल चंदेरिया, राजस्थान राज्य अधीनस्थ संघ से प्रकाश चंद खटीक, राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षा संघ से भेरुलाल कलाल, ग्राम विकास अधिकारी संघ से कमलेश सेन, राजस्थान कृषि पर्यवेक्षक स्नातक से शंकर नकवाल, निलेश यादव, पटवार संघ से प्रवीन मेनारिया, आयुर्वेद परिचारक संघ से अशोक भट्ट, आदि उपस्थित थे। यह जानकारी अखिल राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ] उदयपुर के आई.टी. प्रभारी जसवन्त सिंह चौहान ने दी।

'तत्त्वमसि' में विचार नायक, व्यक्ति नहीं: 27वें स्थापना दिवस पर मंथन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। विश्व संवाद केंद्र के 27वें स्थापना दिवस पर सेक्टर 4 स्थित कार्यालय परिसर में पुस्तक परिचर्चा एवं ग्राफिक्स मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम दो सत्रों में संपन्न हुआ। प्रथम सत्र में ग्राफिक्स निर्माण की कार्यशाला और द्वितीय सत्र में श्रीधर पराड़कर द्वारा संघ प्रचारक के जीवन पर लिखित उपन्यास तत्त्वमसि पर विस्तृत परिचर्चा हुई। परिचर्चा सत्र में मुख्य वक्ता राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर के हिन्दी के सह आचार्य डॉ. अनुपम एवं गुरूकुल महाविद्यालय, उदयपुर के प्राचार्य डॉ. मनीष सक्सेना रहे। डॉ. अनुपम ने कहा कि उपन्यास शैली में लिखित इस कृति का अधिकांश भाग युवा पात्रों के इर्द-गिर्द घूमता है और सामाजिक विमर्श को लेकर यह युवाओं के प्रति आशान्वित दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है। प्रश्नोत्तर शैली में रचित यह उपन्यास प्रभावी सूक्तियों और मार्मिक प्रसंगों से सुसज्जित है। उन्होंने कहा कि प्रचारक जीवन सादगी, न्यूनतम उपभोग और समर्पण का प्रतीक है। व्यक्तिगत लगाव ध्येय सिद्धि में बाधक बनता है, इसलिए कार्य विस्तार हेतु प्रवास आवश्यक है। उनके अनुसार संघ व्यक्ति के सामूहिक कर्माचरण का सटीक उदाहरण प्रस्तुत करता है। डॉ. मनीष सक्सेना ने कहा कि उपन्यास के केंद्र में 75 वर्षीय संघ प्रचारक परितोष बाबू का पात्र है, जिनका जन्म उड़ीसा में हुआ और जो संघ कार्य हेतु भोपाल में निवासरत हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस कृति का नायक कोई व्यक्ति नहीं, बल्कि विचार है। विचार से कटकर व्यक्ति रिक्त हो जाता है और विचार में विलीन होकर अहंकार से मुक्त होता है। उपन्यास में जीवनभर समाज को समर्पित रहने वाले प्रचारक का चित्रण है, साथ ही 'देते-देते देवत्व' के भाव से सावधान रहने का संदेश भी है। भगवा ध्वज को तत्वरूप में गुरु मानने की परंपरा व्यक्ति पूजा को गौण करती है। 27 अध्यायों वाले इस उपन्यास में 57 नामजद पात्रों का उल्लेख है। प्रथम सत्र में ग्राफिक्स मेकिंग कार्यशाला का संचालन अजय पालीवाल एवं डॉ. सुनील खटीक ने किया। उन्होंने ग्राफिक्स के साथ शब्द एवं चित्र चयन, कैलेंडर दिवसों की प्रासंगिकता, तथ्यों की सत्यता और एआई के सटीक उपयोग जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी साझा की। इससे पूर्व विश्व संवाद केंद्र के अध्यक्ष कमल प्रकाश रोहिला ने केंद्र का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन हनुमान सिंह ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन गणेश लाल ने दिया। कार्यक्रम में विकास छाजेड़, मनीष मेघवाल, लक्ष्मण कुंवर, अर्जुन खींची, चेतन सहित अनेक अध्येताओं ने सहभागिता कर अपने विचार साझा किए।

ओडिशा के उपमुख्यमंत्री 25 को उदयपुर में



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। ओडिशा के उपमुख्यमंत्री श्री केवी सिंह देव बुधवार 25 फरवरी को उदयपुर आएंगे। श्री देव बुधवार प्रातः 9:50 बजे वायुयान द्वारा महाराणा प्रताप एयरपोर्ट डबोक पहुंचेंगे। श्री देव उदयपुर में निजी कार्यक्रम में भाग लेंगे। अगले दिन 26 फरवरी को प्रातः वायुयान द्वारा दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

उत्तर मैट्रिक छात्रवृति में आवेदन 28 फरवरी तक

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी। शैक्षणिक सत्र 2024-25 में राजस्थान राज्य के मूल निवासियों के लिए विभाग द्वारा संचालित विभिन्न छात्रवृति येजनाओं में अनुसूचित जनजाति/अनुसूचित जनजाति/अति पिछड़ा वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग/आर्थिक पिछड़ा वर्ग/विमुक्त, घुमन्तु एवं अर्द्धघुमन्तु समुदाय/मिरासी एवं भिश्ती समुदाय तथा मुख्यमंत्री सर्वजन उच्च शिक्षा उत्तर मैट्रिक छात्रवृति योजनाओं में राज्य की राजकीय/निजी मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं अध्ययनरत छात्र/छात्राओं के छात्रवृति आवेदन पत्र में आक्षेप पूर्ति कराने की अन्तिम तिथि 28 फरवरी 2026 निर्धारित की गई है। संयुक्त निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग गिरीश भटनागर ने बताया कि उत्तर मैट्रिक छात्रवृति हेतु वर्ष 2024-25 में छात्रवृत्ति पोर्टल पर राजकीय एवं गैर राजकीय शिक्षण संस्थाओं/छात्र/छात्राओं के स्तर पर लम्बित छात्रवृत्ति के आवेदन पत्रों की आक्षेप पूर्ति की अन्तिम तिथि विभाग द्वारा 28 फरवरी 2026 तक निर्धारित की गई है। सम्बन्धित शिक्षण संस्थान निर्धारित तिथि तक बच्चों से आक्षेप पूर्ति कर आवेदन कार्यालय को अग्रेषित करें ताकि छात्र/छात्राओं को छात्रवृति की स्वीकृति सम्बन्धी कार्यवाही की जा सकें।

राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का आयोजन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 फरवरी 2026। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय उदयपुर के संघटक सामुदायिक एवं व्यवहारिक विज्ञान महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का आयोजन 17 फरवरी 2026 से 23 फरवरी 2026 तक किया गया I आज 23 फरवरी को शिविर का समापन पर कॉलेज की डीन डॉ धृति सोलंकी ने सेवा योजना के स्वयंसेवको को सम्बोधित करते हुए कहा की इस प्रकार के शिविर आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी, सामुदायिक भागीदारी, नेतृत्व के गुण और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सहायता करने की क्षमता को विकसित करना है । युवाओ को अपने समाज एवं राष्ट्र के प्रति समर्पित भाव से कार्य करना चहिये । उन्होंने शिविर के दौरान स्वयंसेवको द्वारा किये गए कार्यो की सराहना की I महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ मोनिका राय ने शिविर की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा बताया की इस सात दिवसीय शिविर में स्वयंसेवको के लिए विशेषज्ञ वार्ताओं में डॉ गायत्री तिवारी द्वारा जीवन कौशल पर व्याख्यान तथा डॉ गौरव वधावन द्वारा फर्स्ट ऐड पर व्याख्यान व प्रदर्शन आयोजित किए गए अन्य गतिविधियों में श्रम दान, हिता गांव में रैली तथा विभिन्न विषयो पर जागरूकता कार्यक्रम, पिपलांत्री गांव में पर्यावरण सरक्षण से सम्बंधित विजिट, 'सोने व चांदी में में शुद्धता का विश्वास' विषय पर पोस्टर मेकिंग आयोजित की गयी, जिसमे सभी स्वयंसेवको ने उत्साहपूर्वक भाग लिया I

झीलों की नगरी में सजेगा साउथ का शाही मंडप, विजय–रश्मिका की वेडिंग पर उदयपुर तैयार



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फिल्मी परदे की चर्चित जोड़ी विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना ने अपनी जिंदगी के सबसे खास अध्याय के लिए झीलों की नगरी को चुना है। सोमवार सुबह दोनों सितारे अलग-अलग उड़ानों से उदयपुर पहुंचे और एयरपोर्ट से सीधे उदयपुर-नाथद्वारा हाईवे स्थित कैलाशपुरी के लग्ज़री ठिकाने ITC Mementos Udaipur की ओर रवाना हो गए, जहां 26 फरवरी को वैवाहिक रस्में पूरी की जाएंगी।

अलग-अलग एंट्री, एक साथ रवाना

सुबह करीब 10 बजे रश्मिका डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर उतरीं। नीले सूट और काले चश्मे में वह मीडिया से बचते हुए बाहर निकलीं। उनके लगभग पंद्रह मिनट बाद विजय पहुंचे—ब्लैक जैकेट, डार्क ग्लासेस और मास्क में। एयरपोर्ट पर औपचारिकताओं के बाद दोनों एक ही काफिले में होटल के लिए रवाना हुए।

24 से 26 फरवरी तक शाही बुकिंग

सूत्रों के अनुसार, होटल 24 से 26 फरवरी तक पूरी तरह वेडिंग मोड में रहेगा। करीब 230 मेहमानों की सूची तैयार है, जिनका चेक-इन 24 फरवरी से शुरू होगा। समारोह को सीमित और निजी रखने की योजना है, इसलिए मेहमानों की संख्या नियंत्रित रखी गई है।

नो-फोन पॉलिसी और कड़ी सुरक्षा

वायरल हो चुके वेडिंग कार्ड में स्पष्ट उल्लेख है कि 26 फरवरी को पारिवारिक आशीर्वाद के बीच एक निजी समारोह आयोजित होगा। अंदरूनी तस्वीरें सार्वजनिक न हों, इसके लिए नो-फोन पॉलिसी लागू रहेगी। आयोजन स्थल पर एक बड़ी सिक्योरिटी एजेंसी को तैनात किए जाने की भी जानकारी है।

दिल्ली का बैंड, हैदराबाद का प्लानर

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी में दिल्ली का एक चर्चित बैंड परफॉर्म करेगा, जिसने पहले भी कई सेलिब्रिटी शादियों में माहौल बनाया है। वहीं, वेडिंग प्लानिंग की जिम्मेदारी हैदराबाद की टीम के पास है, जो एक मशहूर टेनिस खिलाड़ी की शादी भी डिजाइन कर चुकी है। राजस्थान में सात फेरे लेने के बाद 3 और 4 मार्च को हैदराबाद में भव्य रिसेप्शन की तैयारी है। चर्चा है कि आयोजन शहर की किसी प्रीमियम लोकेशन—संभवतः बंजारा हिल्स—में होगा, जहां फिल्म इंडस्ट्री की नामचीन हस्तियां शिरकत करेंगी।

सगाई से शादी तक

याद दिला दें कि इस जोड़ी ने 3 अक्टूबर को हैदराबाद में एक निजी समारोह में सगाई की थी। तब से रश्मिका कई मौकों पर अपनी इंगेजमेंट रिंग के साथ नजर आईं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।